C.B.S.E

कक्षा : 9

हिंदी (ब)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड - क

प्र. 1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×4) (1×1) = 9

पर्यटन का अर्थ है - भ्रमण या घूमना। भारत के भिन्न-भिन्न प्रांतों की संस्कृति और सभ्यता भिन्न है। अपने देश को ठीक से समझने के लिए हमारे लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों का पर्यटन आवश्यक है। विश्व की संस्कृति को समझने के लिए भी देशाटन प्रमुख साधन है। हम जितना अधिक घूमते हैं, उतना ही अधिक हमारा ज्ञान बढ़ता है, उतना ही अनुभव भी बढ़ता है। देश और विदेश में लोग कैसे रहते हैं? कभी कहीं नहीं जाने वाला व्यक्ति कुएँ के मेढ़क के समान होता है। जिस प्रकार मेढ़क यह समझता है कि कुएँ के एक सिरे से दूसरे सिरे तक ही संसार है, इसके बाहर कुछ नहीं, उसी प्रकार कहीं बाहर न जाने वाले व्यक्ति की भी विचार धाराएँ संकीर्ण हो जाती हैं, उसका ज्ञान और अनुभव भी सीमित हो जाता है।

1. पर्यटन क्यों आवश्यक है?
2. भारत के भिन्न-भिन्न प्रांतों में क्या भिन्नता देखने मिलती है?
3. पर्यटन का क्या अर्थ है और घूमने से क्या होता है?
4. कभी कहीं नहीं जाने वाला व्यक्ति कैसा होता है और क्या समझता है?
5. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

प्र. 1. (ब) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर चुनकर लिखिए : 2 x 3 = 6

'फिर क्या होगा उसके बाद?
उत्सुक हो कर शिशु ने पूछा,
'माँ, क्या होगा उसके बाद?
'रवि से उज्ज्वल, शशि से सुन्दर,
नव किसलयदल से कोमलतर।
वधू तुम्हारी घर आएगी,
उस विवाह-उत्सव के बाद।'

1. प्रस्तुत कविता में कौन, किससे और क्या प्रश्न पूछता है?
2. प्रस्तुत पद्यांश में किसके विवाह उत्सव की बात हो रही है?
3. माँ के अनुसार बालक की वधू कैसी होगी?

खंड - 'ख'

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए : 2
प्रभाव, निगाह

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए : 3
आगन, आख

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए :
रफ, जमानत

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए :
पन्थ, सन्ताप

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए : 3
प्रायोगिक, अधिकतर

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए :
आरोहण, नालायक

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए :
अधर्म, पुरातत्व

घ) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए :
चमकीला, होनहार

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें : 3

1. अरे तुम जाओगे कानपूर
2. आपको क्या चाहिए
3. चाय ठंडी हो गई है

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए : 4
स्वेच्छा, भोजनालय, नवागत, गिरीश

खंड 'ग'

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों उत्तर लिखिए : (2+2+1) = 5

1. अखाड़े की मिट्टी की क्या विशेषता होती है?
2. लेखक के अनुसार स्वाधीनता आंदोलन का कौन-सा दिन बुरा था?
3. बादल किसकी तरह हो गए थे।

प्र. 7. (ब) बुढ़िया के दु:ख को देखकर लेखक को अपने पड़ोस की संभ्रांत महिला की याद क्यों आई? 5

प्र. 8. (अ). निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2+2+1)=5

1. जेल से छूटने के बाद सुखिया के पिता ने अपनी बच्ची को किस रूप में पाया?
2. जब शुक गाता है, तो शुकी के हृदय पर क्या प्रभाव पड़ता है?
3. रैदास के पहले पद का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।

प्र.8. (ब) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए : 5

1. 'खुशबू रचनेवाले हाथ' कैसी परिस्थितियों में तथा कहाँ-कहाँ रहते हैं?

प्र. 9. पाठ के आधार पर कौए को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी क्यों कहा गया है? 5

खंड - 'घ'

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। 5

- विज्ञान के चमत्कार
- हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर
- 'समय बड़ा बलवान'

प्र. 11. आपका कई दिनों से काम नहीं कर रहा है इस की सूचना देते हुए और टेलीफोन को जल्द-से जल्द ठीक करने के लिए टेलीफोन विभाग को एक पत्र लिखिए।

प्र. 12. दिए गए चित्र का वर्णन करें : 5

प्र. 13. दुकानदार और ग्राहक के मध्य संवाद लिखें।

प्र. 14. धुलाई के किए प्रयोग किए जानेवाले साबुन के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : 5

C.B.S.E

कक्षा : 9

हिंदी (ब)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड - क

प्र. 1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×4) (1×1) = 9

पर्यटन का अर्थ है - भ्रमण या घूमना। भारत के भिन्न-भिन्न प्रांतों की संस्कृति और सभ्यता भिन्न है। अपने देश को ठीक से समझने के लिए हमारे लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों का पर्यटन आवश्यक है। विश्व की संस्कृति को समझने के लिए भी देशाटन प्रमुख साधन है। हम जितना अधिक घूमते हैं, उतना ही अधिक हमारा ज्ञान बढ़ता है, उतना ही अनुभव भी बढ़ता है। देश और विदेश में लोग कैसे रहते हैं? कभी कहीं नहीं जाने वाला व्यक्ति कुएँ के मेढ़क के समान होता है। जिस प्रकार मेढ़क यह समझता है कि कुएँ के एक सिरे से दूसरे सिरे तक ही संसार है, इसके बाहर कुछ नहीं, उसी प्रकार कहीं बाहर न जाने वाले व्यक्ति की भी विचार धाराएँ संकीर्ण हो जाती हैं, उसका ज्ञान और अनुभव भी सीमित हो जाता है।

1. पर्यटन क्यों आवश्यक है?

उत्तर : भारत के भिन्न-भिन्न प्रांतों की संस्कृति और सभ्यता भिन्न है। अपने देश को ठीक से समझने के लिए हमारे लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों का पर्यटन आवश्यक है।

2. भारत के भिन्न-भिन्न प्रांतों में क्या भिन्नता देखने मिलती है?
उत्तर : भारत के भिन्न-भिन्न प्रांतों की संस्कृति और सभ्यता भिन्न है।

3. पर्यटन का क्या अर्थ है और घूमने से क्या होता है?
उत्तर : पर्यटन का अर्थ है - भ्रमण या घूमना। घूमने से हमारा ज्ञान बढ़ता है, उतना ही अनुभव भी बढ़ता है।

4. कभी कहीं नहीं जाने वाला व्यक्ति कैसा होता है और क्या समझता है?
उत्तर : कभी कहीं नहीं जाने वाला व्यक्ति कुएँ के मेंढक के समान होता है। जिस प्रकार मेंढक यह समझता है कि कुएँ के एक सिरे से दूसरे सिरे तक ही संसार है, इसके बाहर कुछ नहीं, उसी प्रकार कहीं बाहर न जाने वाले व्यक्ति की भी विचार धाराएँ संकीर्ण हो जाती हैं, उसका ज्ञान और अनुभव भी सीमित हो जाता है।

5. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।
उत्तर : 'पर्यटन' उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक है।

प्र. 1. (ब) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर चुनकर लिखिए : 2 x 3 = 6

'फिर क्या होगा उसके बाद?
उत्सुक हो कर शिशु ने पूछा,
'माँ, क्या होगा उसके बाद?
'रवि से उज्ज्वल, शशि से सुन्दर,
नव किसलयदल से कोमलतर।
वधू तुम्हारी घर आएगी,
उस विवाह-उत्सव के बाद।'

1. प्रस्तुत कविता में कौन, किससे और क्या प्रश्न पूछता है?
   उत्तर : प्रस्तुत कविता में एक बालक अपनी माँ से अपनी बाल-सुलभ जिज्ञासा के कारण प्रश्न पूछता है। बालक हमेशा पूछता है कि फिर क्या होगा उसके बाद और माँ भी बड़ी शांति पूर्वक अपने बालक के प्रश्नों का उत्तर देती रहती है।

2. प्रस्तुत पद्यांश में किसके विवाह उत्सव की बात हो रही है?
   उत्तर : प्रस्तुत पद्यांश में शिशु के विवाह की बात हो रही है।

3. माँ के अनुसार बालक की वधू कैसी होगी?
   उत्तर : माँ के अनुसार उसके घर सूर्य से भी कांतिवान, चाँद से भी सुंदर और नवीन कोपलों से भी कोमल वधू आएगी।

खंड - 'ख'

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए : 2

प्रभाव, निगाह

उत्तर : प + र् + अ + भ् + आ + व् + अ,
न + इ + ग् + आ + ह् + अ

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए : 3

आगन, आख

उत्तर : आँगन, आँख

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए :

रफ, जमानत

उत्तर : रफ़, ज़मानत

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए :

पन्थ, सन्ताप

उत्तर : पंथ, संताप

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए : 3

प्रायोगिक, अधिकतर

उत्तर : इक, तर

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए :

आरोहण, नालायक

उत्तर : आ, ना

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए :

अधर्म, पुरातत्व

उत्तर : अ + धर्म, पूरा + तत्व

घ) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए :

चमकीला, होनहार

उत्तर : चमक + ईला, होन + हार

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें : 3

1. अरे तुम जाओगे कानपूर

   उत्तर : अरे! तुम जाओगे कानपूर।

2. आपको क्या चाहिए

   उत्तर : आपको क्या चाहिए?

3. चाय ठंडी हो गई है

   उत्तर : चाय ठंडी हो गई है।

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए : 4

स्वेच्छा, भोजनालय, नवागत, गिरीश

उत्तर : स्व + इच्छा, भोजन + आलय, नव + आगत, गिरि + ईश

खंड 'ग'

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों उत्तर लिखिए : (2+2+1) = 5

1. अखाड़े की मिट्टी की क्या विशेषता होती है?

उत्तर : अखाड़े की मिट्टी साधारण मिट्टी नहीं होती। इसके स्पर्श से वंचित होने से बढ़कर दूसरा कोई दुर्भाग्य नहीं है। यह बहुत पवित्र मिट्टी होती है। इसको देवता पर चढ़ाया जाता है। यह मिट्टी तेल और मट्ठे से सिझाई हुई होती है। पहलवान भी इसकी पूजा करते हैं। यह उनके शरीर को मजबूत करती है। संसार में उनके लिए इस मिट्टी से बढ़कर कोई सुख नहीं।

2. लेखक के अनुसार स्वाधीनता आंदोलन का कौन-सा दिन बुरा था?

उत्तर : लेखक के अनुसार स्वाधीनता आंदोलन का वह दिन सबसे बुरा था जिस दिन स्वाधीनता के क्षेत्र में खिलाफत, मुल्ला मौलवियों और धर्माचार्यों को स्थान दिया जाना आवश्यक समझा गया। इस प्रकार स्वाधीनता आंदोलन ने एक कदम और पीछे कर लिया जिसका फल आज तक भुगतना पड़ रहा है।

3. बादल किसकी तरह हो गए थे।

उत्तर : बादल एकदम सफ़ेद कपास की तरह हो गए थे।

प्र. 7. (ब) बुढ़िया के दु:ख को देखकर लेखक को अपने पड़ोस की संभ्रांत महिला की याद क्यों आई? 5

उत्तर : लेखक के पड़ोस में एक संभ्रांत महिला रहती थी। उसके पुत्र की भी मृत्यु हो गई थी और बुढ़िया के पुत्र की भी मृत्यु हो गई थी परंतु दोनों के शोक मनाने का ढंग अलग-अलग था।धन के अभाव में बेटे की मृत्यु के अगले दिन ही वृद्धा को बाज़ार में खरबूज़े बेचने आना पड़ता है। वह घर बैठ कर रो नहीं सकती थी। मानों उसे इस दुख को मनाने का अधिकार ही न था। आस-पास के लोग उसकी मजबूरी को अनदेखा करते हुए, उस वृद्धा को बहुत भला-बुरा बोलते हैं। जबकि संभ्रांत महिला को असीमित समय था। अढ़ाई मास से पलंग पर थी, डॉक्टर सिरहाने बैठा रहता था। लेखक दोनों की तुलना करना चाहता था इसलिए उसे संभ्रांत महिला की याद आई।

प्र. 8. (अ). निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2+2+1)=5

1. जेल से छूटने के बाद सुखिया के पिता ने अपनी बच्ची को किस रूप में पाया?

   उत्तर : जेल से छूटने के बाद वह अपने घर जाता है परंतु तब तक उसकी बेटी सुखिया की मृत्यु हो चुकी होती है। उसके रिश्तेदारों ने उसका दाह-संस्कार भी कर दिया होता है। वह भागकर श्मशान घाट जाता है जहाँ उसे उसकी बेटी राख की ढेरी के रूप में मिलती है।

2. जब शुक गाता है, तो शुकी के हृदय पर क्या प्रभाव पड़ता है?

   उत्तर : शुक जब अपने खुशी को प्रदर्शित करने के लिए गीत गाता है तो उसका स्वर पूरे वन में गूँज उठता है। शुकी का मन भी उस समय गाने के लिए करता है परंतु वह अपने वात्सल्य के कारण मौन रह जाती है। शुकी के पंख खुशी

से फूल उठते हैं और वह इस मौन में भी अत्यधिक प्रसन्न हो उठती है।

3. रैदास के पहले पद का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : रैदास के पहले पद का केंद्रीय भाव यह है कि वे उनके प्रभु के अनन्य भक्त हैं। वे अपने ईश्वर से कुछ इस प्रकार से घुलमिल गए हैं कि उन्हें अपने प्रभु से अलग करके देखा ही नहीं जा सकता।

प्र.8. (ब) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए : 5

1. 'खुशबू रचनेवाले हाथ' कैसी परिस्थितियों में तथा कहाँ-कहाँ रहते हैं?

उत्तर : खुशबू रचते हाथ अपना जीवनयापन बड़ी ही निम्न परिस्तिथियों में करते हैं। खुशबू रचनेवाले हाथ बदबूदार, तंग और नालों के पास रहते हैं। इनका घर कूड़े-कर्कट और बदबू से भरे गंदे नालों के पास होता है यहाँ इतनी बदबू होती है कि सिर फट जाता है। ऐसी विषम परिस्तिथियों में खुशबू रचनेवाले हाथ रहते हैं।

प्र. 9. पाठ के आधार पर कौए को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी क्यों कहा गया है? 5

उत्तर : कौआ बड़ा विचित्र प्राणी है। इसका कभी आदर किया जाता है तो कभी अनादर। श्राद्ध में लोग कौए को आदर से बुलाते हैं। ऐसा माना जाता है कि पितृ पक्ष में हमारे पुरखे हमसे कुछ पाने के लिए कौए बनकर ही आते हैं। इसका अनादर इसलिए किया जाता है,क्योंकि काँव-काँव करके हमारा सिर खा जाते हैं। इसकी कर्कश वाणी किसी को नहीं भाती।

खंड - 'घ'

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। 5

विज्ञान के चमत्कार

आज का युग विज्ञान का युग है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विज्ञान ने एक क्रांति पैदा कर दी है। विज्ञान का अर्थ है विशेष ज्ञान। मनुष्य ने अपनी आवश्यकताओं के लिए जो नए-नए आविष्कार किए हैं, वे सब विज्ञान की ही देन हैं। बिजली की खोज विज्ञान की एक बहुत बड़ी सिद्धि है। आज मनुष्य ने विज्ञान की सहायता से कई बड़े क्षेत्रों में सफलता पाई है जैसे कि चिकित्सा, सूचना क्रांति, अंतरिक्ष विज्ञान, यातायात आदि। यातायात-संबंधी वैज्ञानिक आविष्कारों ने संसार को एकदम छोटा कर दिया है। पहले जहाँ मानव को एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने में कई-कई वर्ष लग जाते थे वहीं आज मानव कई मीलों की दूरियों को हेलीकॉप्टर, हवाई जहाज, कार आदि द्वारा कम समय में पार कर लेता है।

आज रेडियो, टेलीविजन, डीवीडी प्लेयर, थ्रीडी सिनेमा, कम्प्यूटर, इंटरनेट आदि ऐसी कई चीजें हैं जिन्हें विज्ञान द्वारा मनुष्य के मनोरंजन के लिए उपलब्ध कराया है। मोबाइल, इंटरनेट, ईमेल्स, मोबाइल पर 3जी और इंटरनेट के माध्यम से फेसबुक, ट्विटर ने तो वाकई मनुष्य की जिंदगी को बदलकर ही रख दिया है। चिकित्सा और कृषि के क्षेत्रों में भी नई नई खोजों से बहुत लाभ हुआ है। विज्ञान द्वारा खाद व उपकरण, खाद्य पदार्थ, वाहन, वस्त्र आदि बनाने के असीमित कारखानें हैं।

विज्ञान के युद्ध-विषयक अस्त्र शस्त्रों के आविष्कारों ने देश की सभ्यता और संस्कृति को खतरे में डाल दिया है। परमाणु बम और हाइड्रोजन बम भी विज्ञान की ही देन हैं। यह बहुत ही विनाशक हैं। विज्ञान का उपयोग विनाश के लिए नहीं, विकास के लिए होना चाहिए।

हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर

भारत में तरह-तरह के पक्षी है। किंतु राष्ट्रीय पक्षी होने का गौरव केवल मोर को प्राप्त है। इन्हें वैसे नदी व जलस्त्रोतों के पास वाले जंगल पसंद होते हैं। ये अकसर घने पेड़ों वाले इलाके में रहते हैं। मोर के सर पर मुकुट जैसी खूबसूरत कलंगी होती है। इसकी लम्बी गर्दन पर सुन्दर नीला मखमली रंग होता है। मोर मुख्य रूप से घास-पात, ज्वार, बाजरा, चने, गेहूँ, मकई जैसे अनाज खाते हैं। यह बैंगन, टमाटर, प्याज जैसी सब्जियाँ भी खाते हैं। अनार, केला, अमरूद आदि भी इसके प्रिय भोजन हैं। मोर कीड़े-मकोड़े, चूहे, छिपकली, साँपों आदि को भी चाव से खाते है। ये साँपों के सबसे बड़े दुश्मन हैं। कहावत है कि जहाँ मोर की आवाज सुनाई पड़ती है, वहाँ नाग भी नहीं जाता। इसलिए यह किसानों का अच्छा मित्र होता है।

मोर का नृत्य बहुत प्रसिद्द है। मयूर नृत्य समूह में किया जाता है। नृत्य के समय मोर अपने पंख फैला कर बडा सुन्दर मगर धीमी गति का नृत्य करता है। इसके नृत्य को देखकर मानव इतना प्रभावित हुआ है कि मयूर नृत्य को हमने नृत्य में शामिल कर लिया है। सके अलावा भरतनाट्यम जैसे शास्त्रीय नृत्य मोर के नृत्य की तर्ज पर होते हैं। मोर भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान रखते हैं। बहुत पहले प्राचीन हिंदू धर्म में इंद्र की छवि मोर के रूप में चित्रित की गई थी। भगवान कृष्ण तो अपने सिर पर मोरपंख लगाते थे। दक्षिण भारत में मोर भगवान कार्तिकेय के वाहन के रूप में जाना जाता है। मोर का शिकार भारत में पूर्णतया प्रतिबंधित है। इसे भारतीय वन्य-जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत पूर्ण संरक्षण दिया गया है।

'समय बड़ा बलवान'

समय निरंतर प्रवाहित जलधारा के समान है जो आगे ही बढ़ता है बिना किसी की प्रतीक्षा या विश्राम के। जो व्यक्ति समय के साथ आगे बढ़ सकता है, वही जीवन में सफल होता है। समय, सफलता की कुंजी है।

समय का सदुपयोग ही व्यक्ति को विकास के मार्ग पर अग्रसर करता है। समय के महत्व को समझने वाला जीने की कला सीख लेता है। किसी ने समय की तुलना धन से की है। वास्तव में समय, धन से भी कही अधिक मूल्यवान है। धन तो आता-जाता रहता है, किंतु गया हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता। जो समय की कद्र करता है, समय उसकी कद्र करता है। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण है कि सही समय पर सही निर्णय लेने वाले व्यकित ही जीवन में सफल हुए हैं।

कबीर दास जी ने कहा है कि -

काल करै सो आज करए आज करै सो अब।
पल में परलै होयेगी, बहुरी करेगा कब।।

इसलिए मनुष्य अपने समय का विभाजन इस प्रकार करे ताकि उसके पास अध्ययन, व्यायाम, मनन-चिंतन आदि सभी कार्यों के लिए समय हो। समय विभाजन कर उसका सदुपयोग करना सीख लें तो भविष्य सुविधाजनक और सुखमय हो जाता है।

प्र. 11. आपका कई दिनों से काम नहीं कर रहा है इस की सूचना देते हुए और टेलीफोन को जल्द-से जल्द ठीक करने के लिए टेलीफोन विभाग को एक पत्र लिखिए।

सेवा में,
कार्यकारी इंजीनियर महोदय,
टेलीफोन ऐक्सचेंज
माणिकपुर
वसई
विषय : टेलीफोन नं. 6854288 को ठीक कराने हेतु पत्र।

महोदय,

मेरे यहाँ 6854288 संख्या का टेलीफोन लगा हुआ है। मैं आपका ध्यान उपरोक्त टेलीफोन की ओर केन्द्रित करना चाहता हूँ जो पिछले 20 दिनों से खराब पड़ा है। इसके विषय में मैं कई बार शिकायतें लिखवा चुका हूँ एक उच्च अधिकारी से भी मेरी बात हुई थी, जिन्होंने दो-तीन दिनों से टेलीफोन ठीक कराने का आश्वासन दिया था परन्तु इस बात को एक सप्ताह हो चुका है, परन्तु अभी तक भी मेरा टेलीफोन खराब ही है। अत: मेरा आपसे अनुरोध है कि आप व्यक्तिगत रूप से ध्यान देकर उसे ठीक कराने की व्यवस्था करें। मैं टेलीफोन खराब होने के कारण बहुत परेशान हूँ। यदि आप मेरा फोन जल्द ठीक कराने की कृपा करेंगे, तो मैं सदा आपका आभारी रहूँगा।
सधन्यवाद।
भवदीय,
शरत सक्सेना
मिलन महल
नवघर रोड
दिनाँक : 3 मार्च, 2015

प्र. 12. दिए गए चित्र का वर्णन करें : 5

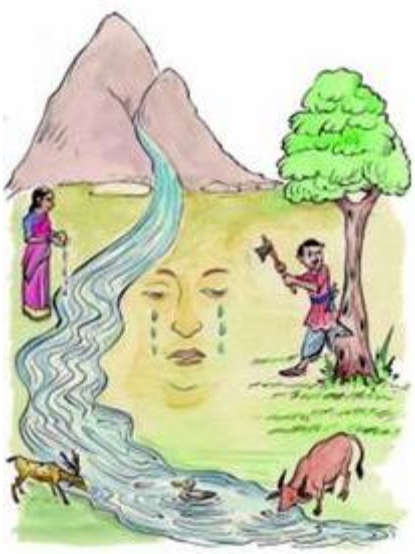

उपर्युक्त चित्र पर्यावरण से संबंधित चित्र है। इस चित्र में एक व्यक्ति पेड़ को काटता दिखाई दे रहा है। पास ही पहाड़ों के बीच से एक नदी दिखाई पड़ रही है। उस नदी में पशु-पक्षी जल पीते हुए दिखाई दे रहे हैं साथ ही एक महिला अर्ध्य चढ़ाती हुई भी नजर आ रही है। चित्र में एक बात गौर करने लायक यह भी है कि धरती माता आँसू बहा रही है। धरती माता यह संदेश देना चाहती है कि इसी तरह यदि हम पेड़-पौधें काटते रहे और पर्यावरण को नुकसान पहुँचाते रहे तो आने-वाले दिनों में मनुष्य को भयंकर परिणाम भुगतने पड़ेगें।

प्र. 13. दुकानदार और ग्राहक के मध्य संवाद लिखें।

दुकानदार : नमस्ते, साहब। क्या दिखाऊँ?

ग्राहक : मुझे बारिश के मौसम में पहनने के लिए सैंडल चाहिए।

दुकानदार : साइज़?

ग्राहक : 8 नंबर

दुकानदार : जी, अभी लाया।

ग्राहक : वह काला वाला दिखाओ।

दुकानदार : ये देखियए साहब।

ग्राहक : यह कितना टिकेंगा?

दुकानदार : इसकी क्वालिटी अच्छी है और बड़े पैर वालों के लिए बढ़िया है। ६ महीना तो आराम से निकल जाएगा।

ग्राहक : कुछ गेरेंटी है?

दुकानदार : 3 महीने की वारंटी है।

ग्राहक : क्या दाम है?

दुकानदार : 800 रु.

ग्राहक : बहुत ज्यादा है

दुकानदार : नहीं साहब, चीज अच्छी है उसी हिसाब से दाम है।

ग्राहक : 700 रु.

दुकानदार : 750 रु.दे दीजिए बस।

प्र. 14. धुलाई के किए प्रयोग किए जानेवाले साबुन के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : 5

धुलाई बार से कपड़ों की करलो सफाई,
किफायती दाम में धुलाई सुहानी।
धुलाई बार